सूचना विवरणिका एवं आवेदन-पत्र

INFORMATION BROCHURE & APPLICATION FORM

Nandini

(Nandini Group of Colleges)

शिवालिक महाविद्यालय

हेल्प लाईन नं0: 9839304210, 9519479000

शिक्षा के गौरव

मा. बृजभूषण शरण सिंह (नेता जी)

संस्थापक / प्रबन्धक

संकल्प-गीत

है कौन विघ्न ऐसा जग में,
टिक सके आदमी के मग में
ठम ठोंक ठेलता है जब नर
पर्वत के जाते पाँव उखड़,
मानव जब जोर लगाता है,
पत्थर पानी बन जाता है
गुण बड़े एक से एक प्रखर,
हैं छिपे मानवों के भीतर ,
मेंहदी में जैसे लाली है,
वर्तिका- बीच उजियाली है,
बत्ती जो नहीं जलाता है,
रोशनी नहीं वह पाता है

रामधारी सिंह 'दिनकर'

मानवता के जीवन मूल्य

जो फूलों सा मन रखकर भी,
फौलादी छाती रखते हैं
अँधियारे का मुँह जो बन्द करे ,
उस लौ की बाती रखते हैं
जिनमे पुष्पों की कोमलता है,
लेकिन कायर सा जिनका कर्म नहीं
बैरी के सम्मुख झुक जाना ,
जिनके जीवन का धर्म नहीं
ऐसी आँधी अंधड को तो,
तिनके भी शीश झुकाते हैं
ये वो है जो तूफानों की ,
गति को जंजीर पिन्हाते हैं
भूकंपो की फटती छाती,
भूगोल उसांसे भरता है
ज्वालामुखियो का कवच पहन ,
जब मेरा शेर गरजता है
मत भूलो युद्धों के प्यासों,
ये धरती ही बलिदानी है
लहू से भी ज्यादा गाढा ,
जिनके कुल का पानी हैं
ये दोस्त दोस्ती करके जो,
दागी व्यवहार नही करते
भाई-चारे के परदे में ,
जो लुक-छिप वार नही करते
जो विश्व शान्ति की लौ बनकर,
जलने वाले परवाने हैं
मजहबी रोशनी के पहले ,
मानवता के दीवाने हैं
संघर्ष ही है जिनका आभूषण,
उन्हीं को कहते हैं, नेता बृजभूषण

– सत्य प्रकाश शुक्ला

महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय

आज से कोई 2600 साल पहले, महात्मा बुद्ध के अवतरण के पूर्व 16 महाजनपदों में कोसल जनपद अपनी विशिष्ट भौगोलिक सांस्कृतिक पहचान रखने के नाते सुख्यात् हुआ। पुराणकारों का मानना है कि कोसलक जन प्राज्ञ होते हैं सत्व के मर्म को इंगित मात्र से जान लेते हैं- इंगिताज्ञश्च कोसलाः। कोसल महाजनपद में गोदर्नक भूमि इसलिए विशिष्ट रही कि पाणिनी व्याकरण के महाभाष्यकार पतंजलि ने अपने को गोनर्दक कहा अर्थात् आज के गोण्डा जनपद का नागरिक बताया-गौनर्दीयस्त्वम..। सुख्यात् गोनर्दक भूमि उत्तर में नेपाल के देवदांगखुर जिले से उत्तर प्रदेश के दक्षिणस्थ फैजाबाद जनपद की उत्तरी सीमा तक फैला हुआ था। 1856 ई० के द्वितीय ब्रिटिश बन्दोबस्थ के पूर्व सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीर नगर जनपदों को शामिल करते हुए देवीपाटन मण्डल के सभी वर्तमान जिले गोनर्दक महाभूमि का भौगोलिक विस्तार मात्र थे। अथर्ववेद को जिस अष्ट द्वारा नवचक्रा, अयोध्या जैसी देवपुरी की स्पष्ट जानकारी थी। उसे विश्व के प्राचीनतम् राज्य की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। अयोध्या के इक्ष्वाकु वंश की नवीं पीढ़ी के वंशधर श्रव, श्राव/श्रवस्त ने हिमालय के पाद प्रान्तर में जो दूसरी राजधानी कायम की वह श्रावस्ती कहलायी।

बुद्ध काल में भारत वर्ष के पाँच महानगरियों मे श्रावस्ती एक थी। बौद्धागम में श्रावस्ती की व्युत्पत्ति करते हुए कहा गया है कि - सब्बंअत्थि यः साब्बतीतिः; अर्थात् जहाँ सब कुछ उपलब्ध है वह नगरी श्रावस्ती है। यह नगरी नवें जैन तीर्थकर सम्भवनाथ और बारहवें तीर्थंकर पुष्पदन्तनाथ की जन्मभूमि रही है। यहीं चार्वाक दर्शन के अधिष्ठाता मस्करिन गोशालक ने अपने मदवाद का प्रवर्तन किया था। तथागत् बुद्ध को श्रावस्ती महानगर इतना प्रिय था कि उन्होंने अपने संन्यस्थ जीवन के 45 वर्षावासों में से 25 वर्षावास श्रावस्ती में ही पूरे किये। यहाँ के अनाथ पिण्डक नामक नगर सेंठ और विशाखामिगारमाता जैसी दानशीला बौद्ध उपासिका के यश कथन से बौद्धागम साहित्य भरा पड़ा है। यहाँ तक कि ईसा पूर्व 200 वर्ष में मध्य प्रदेश के भरहुत स्तूप की के वेष्टिनी पर श्रावस्ती के नगर सेठ के जेतनवन महाविहार के महादान का चित्रांकन तक किया गया।

इसी श्रावस्ती जनपद के ग्रामीण कस्बायी परिवेश में तहसील-भिनगा के खरगौरा बाजार में शिवालिक महाविद्यालय के सत्रारम्भ का यह महार्ह आयोजन अहैतुक नहीं है, क्योंकि श्रावस्ती की महेयशी भूमि भिनगा के जिन क्षत्रिय राज पुरूषों द्वारा शासित थी उन्होंने न केवल भारतीय-स्वतन्त्रता-संग्राम में अपनी भूमिका दर्ज करायी अपितु उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ऐसा महनीय योगदान दिया जो मिथक बन गया। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के लिए महेन्द्रवी छात्रावास (लॉज) तथा काशी का राजर्षि उदय प्रताप नारायण महाविद्यालय तथोक्त शिक्षा संकल्पना का महत् फल है। अस्तु, श्रावस्ती, भिनगा-खरगौरा की भूमि में शिक्षा और शिक्षण के प्रति एक सतर्क भावबोध सर्वथा अनुस्युत रहा है।

गंगा का अवतरण गोमुख हिमनद में, हिमालय के शीर्ष पर लक्षित होता है। मानों हिमवान का शिखर शिव तत्व का शीर्ष हो। हिमालय का पाद-प्रदेश समाधिस्थ शिव की जटाओं (अलाकों) से आच्छन्न हुआ कल्पित किया गया है। अर्थात शिवालिक क्षेत्र वह क्षेत्र है जहाँ शिव की अलकें/मूर्द्धा की सहज छाया उपलब्ध हैं। शिव तत्व सृष्टि का अहंकार है और कल्याण-बोध भी। इस महनीय अहंकार और लोक-कल्याण की चाह विकल होकर सांसद श्री बृजभूषण शरण सिंह के व्यक्तित्व का निर्माण करती है।

शिवालिक महाविद्यालय, इसके संस्थापक सांसद बृजभूषण शरण सिंह की उच्च शैक्षणिक अभिरूचि, शिक्षा-विलास, युवा पीढ़ी को दी जाने वाली अभीसिप्त संभाल की कामना से मूर्त्तित है। हम संस्था के चिर यौवन, प्रर्कष, पल्लवन और संस्थापक की सतत् छाँव की कामना करते है।

संस्थापक / प्रबन्धक का संदेश

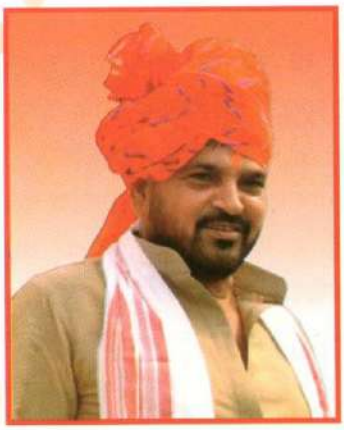

प्राचीन कोसल महाजनपदान्तर्गत महनीय गोनर्दक भूमि की बुद्ध कालिक महानगरी श्रावस्ती के प्रत्यन्त में भिनगा-तहसील क्षेत्र के खरगौरा-कस्बे में स्थापित इस शिक्षण संस्था की प्रेरणा-प्रसविनी संस्था नन्दिनी नगर महाविद्यालय ही है। इस क्षेत्र के प्रतिभावान छात्र विषेषकर छात्राएं दूर जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने से प्राय: वंचित रह जाते थे। शिक्षा की दृष्टि से अति पिछड़े इस ग्रामीण अंचल में एक उत्कृष्ट शिक्षण-संस्था स्थापित करने के लिए कई वर्षों से मेरा मन हिलोरें ले रहा था। अपने अध्ययन काल में मैंने स्वयं शैक्षणिक इन दुश्वारियों को झेला और गाँव की पगडण्डी को लांघकर सुदूरस्थ शिक्षण-संस्थानों से शिक्षा पायी।

आज के वैश्वीकरण के युग में शिक्षा के बदलते आयाम नित्यप्रति स्थापित हो रहे हैं। मानकों के अनुरूप युवा पीढ़ी की सोच एवं गुणवत्ता परक शिक्षा में सामंजस्य स्थापित करने तथा परम्परागत शिक्षा के साथ रोजगार के पाठ्यक्रम छात्रों को उपलब्ध कराने की आशंसापूर्वक हमारी संस्था उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने में सहायक सिद्ध होगी। युवा पीढ़ी की आशाओं-आकांक्षाओं और सम्भावनाओं के अनुरूप इस कॉलेल को आधुनिक व प्रगतिशील संस्था के रूप में और विकसित करने के हर सम्भव प्रयास के हेतु मैं प्रतिबद्ध हूँ।

स्वप्न देखना मेरी आदत है परन्तु स्वप्नों को यथार्थ के धरातल पर उतारना मेरी फितरत है। इतना जानता हूँ कि पुरूषार्थ से ऊँचे सपने भी सच हो जाते हैं-

'' मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है
पंखों से कुछ नहीं होता, हौसला से उड़ान होती है।''

आज से 17-18 वर्ष पूर्व जो सपना देखा गया था उसका साकार स्वरूप नन्दिनी नगर महाविद्यालय के रूप में प्रस्तुत है जो आज नन्हें वृक्ष से बदलकर विशालकाय वट वृक्ष का रूप ले चुका है।

अस्तु, शिक्षण संस्थाओं की इसी कड़ी में एक और अध्याय इय संस्था के रूप मे जुड़ा है। प्राचार्य व गुरूजनों की त्याग, तपस्या एवं समपर्ण के कारण यह प्रयास अवश्यमेव फलित होगा। आशा करता हूँ कि जो शैक्षणिक-यज्ञ आरम्भ हो चुका है, वह अभिवर्धमान हो, पुष्पित-पल्लवित-फलित हो।

मा. बृजभूषण शरण सिंह (नेता जी)
संस्थापक / प्रबंधक

आत्म निवेदन : प्रशासक की ओर से

माननीय सांसद जी के सत्यप्रयासों, सपनों एवं संघर्षों का सुपरिणाम है कि महाविद्यालय ने अल्पसमय में अध्ययन-अध्यापन में नित नयी ऊँचाइयाँ हासिल करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान बना ली है। उनके कर्मनिष्ठ एवं अदम्य व्यक्तित्व की प्रेरणास्पद स्मृति हमारे लिए बहुत बड़ा सम्बल है।

मेरा निरन्तर प्रयास रहा है कि सांसद जी के सपनों के अनुरूप महाविद्यालय में पठन-पाठन, अनुशासन खेल-कूद तथा परीक्षा-व्यवस्था का स्तर उच्च से उच्चतर हो। मै स्वयं को भाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे इस प्रयास में अपने कर्मठ प्रबन्धक श्री ब्रज भूषण शरण सिंह, प्रबन्ध समिति के सभी सम्मानित सदस्यों , तथा महाविद्यालय परिवार के समस्त बन्धुओं एवं कर्मचारियों से भरपूर सहयोग और सौहार्द मिला है। एतदर्थ मैं इन सभी महानुभावों के प्रति आभारी हूँ।

हम प्रतिबद्ध हैं कि शैक्षिक गुणवत्ता के सन्दर्भ में हमारी पहचान श्रेष्ठ से श्रेष्ठतर होती रहे। हमने इस महाविद्यालय को समुचित भवन, सुयोग्य प्राध्यापकों तथा सुसज्जित पुस्ताकालय से समृद्ध कर कक्षाएं प्रारम्भ कर दी हैं, यह हमारे लिए महान्तर उपलब्धि है। महाविद्यालय-परिवार को भव्य एवं नयनाभिराम बनाने के लिए हम एक उद्यान विकसित करने की दिशा में तत्पर हैं। हमें विश्वास है कि अगले सत्र में यह उद्यान अपनी रम्यता से महाविद्यालय की भौतिक शोभा में श्रीवृद्धि करेगा।

डॉ. बी.एल. सिंह
(प्रशासक)
मो० : 9415458212

प्राचार्य की लेखनी से

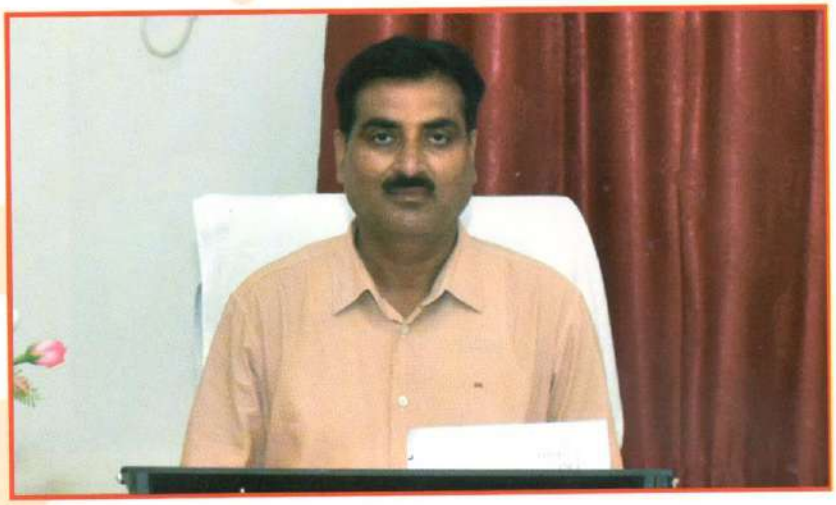

जब देश की एक अरब से ऊपर की जनसंख्या में जाति धर्म और भाषा के भांति-भांति के अद्भुत फूल खिले हो तो उन्हें पिरोकर माला बनाने का कार्य शिक्षा ही कर सकती है। इसमें उस राष्ट्र की युवा शक्ति का महत्वपूर्ण योगदान होता है। विद्या युवाओं के आन्तरिक ऊर्जा का विकास कर उनकी व्यक्तित्व में प्रतिभा एवं कुशलता के नवपुरूप प्रस्फुटित करती है जिसमें समाज में आदर्शवाद के नये मापदंड स्थापित होते हैं।

इस पुष्प-प्रयोजन में हमारे संस्थापक एवं सासंद माननीय बृजभूषण शरण सिंह जी का वरदहस्त हमारे महाविद्यालय पर है।

इस महाविद्यालय में हमारे प्राध्यापक एवं अन्य कर्मचारीगण् धन्यवाद के पात्र हैं मैं अपने विद्यार्थियों को भी धन्यवाद देता हूँ जो निष्ठा और अनुशासनपूर्वक हमारे अभियान में संलग्न है।

डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह

प्राचार्य

अनुशासन सम्बन्धी अनुदेश

1- महाविद्यालय आपकी सम्पत्ति है। इसकी अभिरक्षा ,सुन्दरीकरण करना आपका नैतिक कर्त्तव्य है। अतः महाविद्यालय परिसर को दूषित न करें और न ही किसी प्रकार की क्षति पहुँचायें।

2- महाविद्यालय विश्वबन्धुत्व की भावना का द्योतक है इसलिए हिंसक प्रवृत्ति का परित्याग कर समस्याओं के निराकरण हेतु शान्तिपूर्वक प्रयास करें।

3- महाविद्यालय आपका अपना परिसर है अतः प्राध्यापक, अधिकारी ,कर्मचारी अथवा शिक्षार्थी के प्रति शिष्ट/भद्र/ अनुशासित व्यवहार के लिए सर्वदा सचेष्ट रहें।

4- अपना परिचय -पत्र सदैव अपने साथ रखें । परिचय -पत्र के बिना महाविद्यालय में प्रवेश वर्जित है।

5- कक्षाओं के संचालन में किसी प्रकार का अवरोध न करें और न ही बरामदे में खड़े हों।

6- प्रयोगशाला के उपकरणों का सावधानीपूर्वक उपयोग करें। उपकरणों के टूटने या गायब होने पर उसकी
जिम्मेदारी आपकी होगी।

7- महाविद्यालय परिसर में किसी भी प्रकार का नशा वर्जित है। बीड़ी ,सिगरेट, पान, गुटखा आदि का सेवन स्वास्थ्य और मर्यादा की दृष्टि से अग्राह्य है। ऐसा करने वाले को महाविद्यालय परिसर से बाहर होना पड़ सकता है।

8- प्रत्येक छात्र अपने गुरूजन एवं वरिष्ठ छात्र का प्रतिदिन अभिवादन करेगा। साथ ही उसे विद्यालय परिसर में आने वाले किसी भी अतिथि का स्वागत -सम्मान करना होगा।

9- महाविद्यालय, गुरू -शिष्ट परम्परा का पक्षधर है। हम यह अपेक्षा करते हैं कि यहाँ आने वाले शिक्षार्थी का आचरण शिष्य की मर्यादा के अनुरूप होगा। अतएव शिक्षार्थी विनयशीलता का परिचय दें।

निर्देश - यदि कोई शिक्षार्थी दुर्व्यवहार या अनुशासनहीनता का दोषी पाया जायेगा तो उसको महाविद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है।

व्यवस्था/अनुशासन समिति

1	डॉ0 बी.एल. सिंह	प्रशासक	9415858212
2	डॉ0 ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह	प्राचार्य	9415572215

कला संकाय

1	डॉ0 देवेन्द्र त्रिवेदी	प्रवक्ता-राजनीतिशास्त्र	6393062122
2	डॉ0 के0एल0 पाठक	प्रवक्ता-समाजशास्त्र	7800326655
3	डॉ0 कुसुम शुक्ला	प्रवक्ता-हिन्दी	7234943271
4	डॉ0 जगदीश्वर विश्वकर्मा	प्रवक्ता-भूगोल	9452762190
5	डॉ0 ज्ञान चन्द्र यादव	प्रवक्ता-शिक्षाशास्त्र	9450018646
6	श्रीमती सितारा श्रीवास्तव	प्रवक्ता गृह विज्ञान	9120032741
7	[redacted] श्री. शान्तिभाव आनन्द	प्रवक्ता-प्राचीन इतिहास	[redacted] 9935808008

विज्ञान संकाय

1	श्री अंकित सिंह	प्रवक्ता-वनस्पति विज्ञान	9670259008
2	श्री रवि पाठक	प्रवक्ता-भौतिक विज्ञान	7800023053
3	श्री [redacted] श्री. राघवेन्द्र प्रताप सिंह	प्रवक्ता-रसायन विज्ञान	[redacted] 8382827965
4	श्रीमती रीना सिंह	प्रवक्ता-जन्तु विज्ञान	8115802442

लिपिक वर्ग

1	श्री सुमित सिंह (प्रीतू)	कार्यालय अधीक्षक	9519479000
2	श्री संतोष सिंह	एकाउन्टेन्ट	9839304210
3	श्री [redacted] शिवम गुप्ता	कम्प्यूटर आपरेटर	[redacted] 7054642523

नई शिक्षा नीति 2020 के दिशा निर्देश

शिवालिक महाविद्यालय पटना खरगौरा भिनगा-श्रावस्ती

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुसार सत्र 2021–22 में स्नातक (बी0ए0/बी0एस–सी0/बी0काम0) प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु नियम–

1. स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्र/छात्रा हेतु सेमेस्टर प्रणाली लागू की गई है।
2. स्नातक प्रथम वर्ष के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेशार्थी अपने मूल संकाय के दो मेजर (मुख्य) विषय, एक मुख्य विषय अपने संकाय अथवा महाविद्यालय में संचालित अन्य संकाय, एक माइनर (लघु)/इलेक्टिव(वैकल्पिक) विषय अनिवार्य रूप से चयन करने के साथ एक Co-Curricular (सहगामी–पाठ्यक्रम) एवं एक Vocational (रोजगारपरक) पाठ्यक्रम का चयन करें।
3. किसी भी मुख्य, लघु/वैकल्पिक विषय के चयन की स्वतन्त्रता/पात्रता राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय द्वारा विहित परिनियमावली/दिशा निर्देशों के अनुसार होगी।
4. प्रवेशित छात्र/छात्रा एक वर्ष (दो सेमेस्टर) की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर अपने चुने हुए संकाय में वोकेशनल (रोजगारपरक) पाठ्यक्रम प्रमाण–पत्र प्राप्त करेगा व अध्ययन छोड़ने की स्वतन्त्रता होगी।
5. प्रवेशित छात्र/छात्रा को दो वर्ष (चार सेमेस्टर) की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर अपने चुने हुए संकाय में डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रमाण–पत्र प्राप्त करेगा व अध्ययन छोड़ने की स्वतन्त्रता होगी।
6. प्रवेशित छात्र/छात्रा तीन वर्ष (छः सेमेस्टर) की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अपने संकाय में बैचलर की डिग्री प्राप्त करेगा।
7. मूल्यांकन व्यवस्था सी0बी0सी0,(C.B.C.S.)प्रणाली के क्रेडिट व्यवस्था के आधार पर सुनिश्चित की जायेगी।
8. अपने संकाय में 60 प्रतिशत क्रेडिट प्राप्त करने पर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु अर्ह होगा।
9. 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने पर बैचलर ऑफ लिबरल एजूकेशन की डिग्री प्राप्त करेगा व पात्रता मुक्त विषयों में ही स्नातकोत्तर कर सकेगा।
10. स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रत्येक संकाय का विद्यार्थीसंचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास (Communication Skill and Personality Devlopment) तथा द्वितीय सेमेस्टर में विश्लेषणात्मक योग्यता एवं डिजिटल अवयरनेश (Anaiytic Ability & Digital Awareness) का अध्ययन अनिवार्य विषय के रूप में करेगा।
11. महाविद्यालय में विद्यार्थी के पठन–पाठन हेतु वोकेशनल (रोजगारपरक) पाठ्यक्रम संचालित किये जाने की व्यवस्था है।
12. कला संकाय में प्रवेश हेतु पात्रता इण्टरमीडिएट व समकक्ष उत्तीर्ण। विज्ञान संकाय में प्रवेश की पात्रता सम्बन्धित विषय में इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण या समकक्ष उत्तीर्ण तथा बी0काम0 में प्रवेश की पात्रता इण्टरमीडिएट कामर्स या समकक्ष उत्तीर्ण अथवा कला संकाय से अर्थशास्त्र व गणित के साथ उत्तीर्ण अथवा विज्ञान संकाय में इण्टरमीडिएट गणित के साथ उत्तीर्ण।
13. प्रत्यके प्रवेशार्थी के लि, विषय या संकाय के चयन हेतु महाविद्यालय में एक काउन्सलिंग सेल (सलाहकार

नई शिक्षा नीति 2020 के दिशा निर्देश

1. माइनर/इलेक्टिव विषय का चयन :–

मात्र सैद्धातिक विषय - हिन्दी एंव प्राचीन इतिहास ।

सैद्धातिक एवं प्रयोगिक विषय :–1.वनस्पति विज्ञान, 2. प्राणी विज्ञान, 3. रसायन विज्ञान, 4. भौतिक विज्ञान, 5. गणित, 6. भूगोल, 7. गृहविज्ञान, 8. समाजशास्त्र 9. शिक्षाशास्त्र, 10. राजनीति शास्त्र

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथ म चार सेमेस्टर हेतु 01 माइनर विषय अपने संकाय/दूसरे संकाय से लेना अनिवार्य होगा। माइनर विषय की परीक्षा वर्ष में 01 बार ही होगी।

2. **स्नातक स्तर पर अनिवार्य सहगामी पाठ्यक्रमों (CO-CURRICULAR) के अध्ययन का क्रम सेमेस्टर के अनुसार निम्नवत् होगा–**

प्रथम सेमेस्टर– संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास।

द्वितीय सेमेस्टर– विश्लेषणात्मक योग्यता एवं डिजिटल अपेयरनेस।

तृतीय सेमेस्टर– शारीरिक शिक्षा एवं योग।

चतुर्थ सेमेस्टर– मानव मूल्य एवं पर्यावरण अध्ययन।

पंचम सेमेस्टर–खाद्यय पोषण एवं स्वच्छता

षष्टम सेमेस्टर– प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

3. कौशल विकास/रोजगार–परक– **(VOCATIONAL)** पाठ्यक्रम–

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथम चार सेमेस्टर के प्रत्येक सेमेस्टर में एक रोजगार परक पाठ्यक्रम लेना होगा।

Yoga, Computer Application, Food Processing, Horticulture, Crop Production and Management, Dairying.

विविध सरोकार

पुस्तकालय

छात्र-छात्राओं के अध्ययन की सुविधा हेतु महाविद्यालय में पुस्तकालय की व्यवस्था है। छात्रों द्वारा पुस्तकालय के नियमों का पालन करना अनिवार्य है-

1. विद्यार्थी को पुस्तक निर्गत कराने हेतु पुस्तकालय कार्ड अवश्य प्रस्तुत करना होगा। पुस्तकालय कार्ड अहस्तान्तरणीय है।
2. निर्गत पुस्तकों को सुरक्षित रखना विद्यार्थी का नैतिक दायित्व है। पुस्तक फटने या खोने पर पुस्तक का नवीनतम् मूल्य तथा निर्धारित अर्थदण्ड जमा करना होगा।

वाचनालय

महाविद्यालय के पुस्तकालय का एक अंग वाचनालय भी है। छात्र-छात्राओं के खाली समय में अध्ययन एवं सामान्य ज्ञान प्राप्त करने हेतु विभिन्न हिन्दी, अंग्रेजी की समाचार पत्र-पत्रिकाएँ उपलब्ध रहती है। विभिन्न साहित्यिक, राजनैतिक, आर्थिक, पाक्षिक पत्रिकाओं के माध्यम से विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन में अभिवृद्धि की जाती है।

नामांकन

महाविद्यालय के प्रथम सत्र में प्रवेश करने हेतु नामांकन के लिए छात्र को निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन करना अनिवार्य है, नामांकन के बिना कोई छात्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा में सम्मिलित नहीं होने पायेगा।

उपस्थिति

महाविद्यालय के शिक्षण दिवस के कक्षा व्याख्यानों में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। प्रायोगिक विषयों से सम्बन्ध प्रयोगशाला में किये प्रयोगात्मक कार्य में भी 75 प्रतिशत उपस्थिति अपरिहार्य है।

शैक्षणिक क्रिया-कलाप से सम्बन्धित अन्य विद्यालयीय कार्यक्रमों जैसे-शैक्षणिक पर्यटन, जनजागरण, एन्एस0एस0 में पूर्ण उपस्थिति अनिवार्य है। कक्षा तथा प्रयोगशाला में उपस्थिति की कमी होने पर विद्यार्थी को परीक्षा से वंचित किया जा सकता है। प्राचार्य की विशेष अनुमति पर असाध्य रोग या अन्य आवश्यक कार्यों पर ही उपस्थिति में किसी प्रकार की छूट सम्भव है।

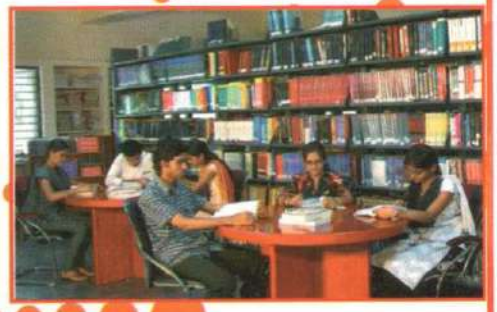

नन्दिनी ग्रुप ऑफ कालेज़ेस में संचालित पाठ्यक्रम

नन्दिनी नगर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नवाबगंज- गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-05260-241430, फैक्स-05260-2451429

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, भूगोल, सैन्य विज्ञान. मनोविज्ञान, चित्रकला, संगीत, गृहविज्ञान, प्राचीन इतिहास, मध्यकालीन इतिहास, समाजकार्य, अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, दर्शनशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र।

परास्नातक (एम.ए.) :- हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, भूगोल, गृहविज्ञान।

वाणिज्य संकाय :- स्नातक (बी.कॉम.)।

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, कम्प्यूटर एप्लीकेशन, सैन्य विज्ञान।

परास्नातक (एम.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान (प्रस्तावित), गणित (प्रस्तावित)।

कृषि संकाय

स्नातक :- बी.एस-सी. (कृषि)।

परास्नातक [एम.एस-सी. (कृषि)] :- स्वायल साइंस, एग्रोनामी, हॉर्टीकल्चर, जेनेस्टिक्स एण्ड प्लांट ब्रीडिंग, एनीमल हस्बैन्ड्री एण्ड डेयरिंग।

शिक्षा संकाय :- बी.एड. एवं एम.एड.।

शारीरिक शिक्षा संकाय :- बी.पी.ई., बी.पी.एड., एम.पी.एड.।

व्यवसायिक पाठ्यक्रम :- बी.लिब., एम.लिब., एम.एस.डब्लू. ।

विधि संस्थान

विधि संकाय :- एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम)।

महिला शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय, तुरकौली, नवाबगंज- गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-9792809000

शिक्षा संकाय :- बी.एड.।

नन्दिनी नगर एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट, बालापुर, नवाबगंज- गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-05260-241430

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित।

कृषि संकाय

स्नातक :- बी.एस-सी. (कृषि)।

नन्दिनी नगर टेक्निकल कैम्पस, नवाबगंज- गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-9235401172, 9721499550, 9721499551

व्यवसायिक पाठ्यक्रम :- बी.बी.ए., बी.सी.ए. (अवध विश्वविद्यालय से सम्बद्ध)

एम.बी.ए., बी.टेक., (यू.पी.टी.यू. लखनऊ से सम्बद्ध) पॉलीटेक्निक (प्रा.शि.परिषद से सम्बद्ध)

नन्दिनी नगर महाविद्यालय कालेज ऑफ फार्मेसी, नवाबगंज- गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-9415533843,

व्यवसायिक पाठ्यक्रम :- बी.फार्मा., (यू.पी.टी.यू. से सम्बद्ध) डी. फार्मा. (प्रा.शि.परिषद् से सम्बद्ध)

लखन लाल शरण सिंह महाविद्यालय, विश्नोहरपुर, नवाबगंज- गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-9415155725, 9452473476

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, भूगोल, गृह विज्ञान, प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र।

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित।

शिक्षा संकाय :- बी.एड.।

नन्दिनी ग्रुप ऑफ कालेज़ेस में संचालित पाठ्यक्रम

विपिन बिहारी शरण सिंह महाविद्यालय, तरबगंज- गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-9628529000, 9670047379

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल, गृह विज्ञान।

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित।

जगदम्बा शरण सिंह एजूकेशनल इंस्टीट्यूट, बेलसर- गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-9450748068, 9305837401

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, भूगोल, गृह विज्ञान, प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र।

प्रस्तावित विषय :- सैन्य विज्ञान, मनोविज्ञान, शारीरिक शिक्षा।

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित।

प्रस्तावित विषय :- सैन्य विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान।

कृषि संकाय :- बी.एस-सी. (कृषि) प्रस्तावित।

वाणिज्य संकाय :- बी.काम. प्रस्तावित।

शिक्षा संकाय :- बी.एड.। **प्रस्तावित विषय :-** बी.टी.सी.।

व्यवसायिक पाठ्यक्रम :- आई.टी.आई. इलेक्ट्रीशियन।

महाकवि तुलसीदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, परसपुर-गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-05261-253770, 9453268341

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, भूगोल, गृह विज्ञान, प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र।

परास्नातक (एम.ए.) :- हिन्दी, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, गृह विज्ञान।

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित।

परास्नातक (एम.एस-सी.) :- प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान।

शिक्षा संकाय :- बी.एड.।

सरयू डिग्री कालेज, कर्नैलगंज- गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-05261-244002, 9838128121, 9554260520

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, अंग्रेजी, भूगोल, गृह विज्ञान, प्राचीन इतिहास, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र।

प्रस्तावित विज्ञान :- अर्थशास्त्र, सैन्य विज्ञान, मनोविज्ञान।

वाणिज्य संकाय :- बी.कॉम.।

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित।

प्रस्तावित विषय :- सैन्य विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान ।

शिक्षा संकाय :- बी.एड.। **शारीरिक शिक्षा संकाय:-** बी.पी.ई. एवं बी.पी.एड.।

एकलव्य महाविद्यालय, झुकिया, जरवल रोड -बहराइच

हेल्प लाइन नं0-05251-225110, 9450731844,

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, उर्दू, भूगोल, गृह विज्ञान, शिक्षाशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र।

विज्ञान संकाय - स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित ।

प्रस्तावित विषय :- बी.एड. एवं बी.टी.सी.।

नन्दिनी ग्रुप ऑफ कालेज़ेस में संचालित पाठ्यक्रम

शिवालिक महाविद्यालय, पटना खरगौरा, श्रावस्ती

हेल्प लाइन नं0- 9415572215,

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, भूगोल, गृह विज्ञान, प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र।

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित।

महाराजा बलभद्र सिंह रैकवार महाविद्यालय, बनकटा, पयागपुर- बहराइच

हेल्प लाइन नं0-9453297493

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, गृह विज्ञान, भूगोल, प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र।

शिक्षा संकाय :- बी.एड। **व्यवसायिक पाठ्यक्रम :-** बी.बी.ए.।

श्री रघुकुल महिला विद्यापीठ, सिविल लाइन्स- गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-9415327189

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, अंग्रेजी, गृह विज्ञान, प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र।

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.):- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, सूक्ष्म जीव विज्ञान (माइक्रो बायोलॉजी), जैव रसायन विज्ञान (बायोकेमेस्ट्री)।

शिक्षा संकाय :- बी.एड.।

शारीरिक शिक्षा संकाय :- बी.पी.एड.।

शक्ति स्मारक संस्थान, दुल्हिनपुर- बलरामपुर

हेल्प लाइन नं0-05263-209079, 9919206276

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, अंग्रेजी, भूगोल, शिक्षाशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, प्राचीन इतिहास।

परास्नातक (एम0ए0) :- शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र।

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित।

शिक्षा संकाय :- बी.एड.।

शारीरिक शिक्षा संकाय :- बी.पी.एड. (एक वर्षीय एवं चार वर्षीय), एम.पी.एड.।

विधि संस्थान

विधि संकाय :- एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम)।

व्यवसायिक पाठ्यक्रम :- बी.फार्मा., (यू.पी.टी.यू. से सम्बद्ध) डी. फार्मा. (प्रा.शि.परिषद् से सम्बद्ध)

शशि भूषण शरण सिंह महाविद्यालय, उज्जैनी कला - गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-9415327189

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, गृह विज्ञान, भूगोल, प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र।

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित।

गुरू वशिष्ठ महाविद्यालय, मनकापुर - गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-9452286631

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, अंग्रेजी, गृह विज्ञान, भूगोल, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र।

विज्ञान संकाय - स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित।

शीतलगंज प्रताप महाविद्यालय, मसकनवा - गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-9919659124

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, भूगोल, गृह विज्ञान।

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित।

शिव सावित्री महाविद्यालय, सराय मुगल, पोस्ट-ऐहार (रूदौली)- फैजाबाद

हेल्प लाइन नं0- 05241-235700, 235710, फैक्स : 235711

मो0 :7704069007, 7704059008, 7376511950, 7376511951, 7376511952, 7376511980

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, भूगोल, गृह विज्ञान, मनोविज्ञान, सैन्य विज्ञान, प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र।

परास्नातक (एम0ए0) :- भूगोल, गृह विज्ञान, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र।

वाणिज्य संकाय :- बी.कॉम.। **व्यवसायिक पाठ्यक्रम :-** बी.लिब।

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, सैन्य विज्ञान।

परास्नातक (एम.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित।

शिक्षा संकाय :- बी.एड.। **शारीरिक शिक्षा संकाय :-** बी.पी.ई. एवं बी.पी.एड.।

शिव सावित्री एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट, हाजीपुर बरसेण्डी, सोहावल-फैजाबाद

हेल्प लाइन नं0- 7704051430, 7376511960

शिक्षा संकाय :- बी.एड.।

सावित्री महिला डिग्री कालेज, तकपुरा दर्शननगर-फैजाबाद

हेल्प लाइन नं0- फोन/फैक्स : 05278-258458, 7704067009

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, भूगोल, गृह विज्ञान, प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, राजनीतिशस्त्र, समाजशास्त्र।

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित।

शिक्षा संकाय :- बी.एड.।

श्याम नारायन उर्मिला गर्ल्स टीचर ट्रेनिंग कालेज, सरायमुगल, पोस्ट-ऐहार (रूदौली)- फैजाबाद

हेल्प लाइन नं0- फोन : 05241-235701, फैक्स : 235703, 7376511980

शिक्षा संकाय :- बी.एड.।

दीप नारायन सिंह डिग्री कालेज, तुलसीपुर -बलरामपुर

हेल्प लाइन नं0-9919206276, 05263-209079

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, अंग्रेजी, गृहविज्ञान राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, प्राचीन इतिहास,

रघुराज शरण सिंह महाविद्यालय, नकहा बसंत, बालपुर- गोण्डा

हेल्प लाइन नं0-05260-241429

कला संकाय

स्नातक (बी0ए0) :- हिन्दी, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, अंग्रेजी, प्राचीन इतिहास, भूगोल, गृहविज्ञान।

विज्ञान संकाय

स्नातक (बी.एस-सी.) :- वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित।

एक नज़र

अन्तर्महाविद्यालय एथलेटिक्स महिला/पुरूष चैम्पियनशिप की झलकियां

मा. प्रबंधक श्री बृजभूषण शरण सिंह द्वारा संस्थापित-संचालित शैक्षणिक संस्थाएं

1.नन्दिनी नगर पी0जी0 कालेज, नवाबगंज-गोण्डा
2.नन्दिनी नगर विधि महाविद्यालय, नवाबगंज, गोण्डा
3.नन्दिनी एजूकेशनल इंस्टि्टयूट, नवाबगंज, गोण्डा
4.नन्दिनी कालेज, नवाबगंज, गोण्डा
5.नन्दिनी नगर महाविद्यालय (कालेज ऑफ फार्मेसी) नवाबगंज, गोण्डा
6.नन्दिनी नगर टेक्निकल कैम्पस (इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेन्ट) नवाबगंज, गोण्डा
7.महिला शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय, नवाबगंज, गोण्डा
8.गोनार्द कालेज ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल साइंस, नवाबगंज, गोण्डा
9.कुश्ती प्रशिक्षण केन्द्र नन्दिनी नगर महाविद्यालय, नवाबगंज, गोण्डा
10.श्री रघुकुल विद्यापीठ, सिविल लाइन, गोण्डा
11.श्री रघुकुल महिला विद्यापीठ, सिविल लाइन, गोण्डा
12.गुरू वशिष्ठ महाविद्यालय, मनकापुर, गोण्डा
13.शीतलगंज प्रताप महाविद्याल, मसकनवा, गोण्डा
14.सरयू डिग्री कालेज, करनैलगंज, गोण्डा
15.जगदम्बा शरण सिंह एजूकेशनल इंस्टि्टयूट, पूरेफकीर, बेलसर, गोण्डा
16.जगदम्बा शरण औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, आई0टी0आई0, बेलसर, गोण्डा
17.माता राजरानी महिला विद्यालय, बेलसर, गोण्डा
18.लखनलाल शरण सिंह महाविद्यालय, विश्नोहरपुर, गोण्डा
19.महाकवि तुलसीदास पी0जी0 कालेज, परसपुर, गोण्डा
20.शशिभूषण शरण सिंह महाविद्यालय, भूषण नगर उज्जैनीकला, गोण्डा
21.विपिन बिहारी शरण सिंह महाविद्यालय, तरबगंज, गोण्डा
22.शक्ति स्मारक संस्थान, दुल्हिनपुर, बलरामपुर
23.शक्ति स्मारक विधि संस्थान, दुल्हिनपुर, बलरामपुर
24.शक्ति स्मारक कालेज ऑफ फार्मेसी, दुल्हिनपुर, बलरामपुर
25.शक्ति कालेज ऑफ नर्सिंग, दुल्हिनपुर, बलरामपुर
26.दीप नरायण सिंह डिग्री कालेज, तुलसीपुर, बलरामपुर
27.सीता शरण सिंह महाविद्यालय, जैतापुर, तुलसीपुर, बलरामपुर
28.महाराजा बलभद्र सिंह रैकवार महाविद्यालय, बनकटवा, पयागपुर, बहराइच
29.शिवालिक महाविद्यालय, पटना खरगौरा, श्रावस्ती
30.गोनार्द कालेज ऑफ नर्सिंग, पटना खरगौरा, श्रावस्ती
31.एकलव्य महाविद्यालय, झुकिया जरवलरोड, बहराइच
32.एकलव्य महाविद्यालय द्धबी0टी0सी0ऋ झुकिया जरवलरोड, बहराइच
33.एकलव्य शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय, जरवलरोड, बहराइच
34.रघुराज शरण सिंह महाविद्यालय, नकहा बसंत बालपुर, गोण्डा
35.महाराज देवी बक्श सिंह स्मारक संस्थान, बनघुसरा, डुमरियाडीह, गोण्डा
36.बालार्क ऋषि महाविद्यालय, अरई कला, बहराइच
37.महाराजा सुहेलदेव महाविद्यालय, हजूरपुर, बहराइच
38.आर्यवर्त महाविद्यालय, आर्यनगर, गोण्डा
39.गोनार्द एजूकेशनल इंस्टि्टयूट, वीरपुर, कटरा, गोण्डा
40.लवकुश रेसलिंग एकेडमी, बहराइच
41.सरयू बालिका इण्टर कालेज, करनैलगंज, गोण्डा
42.विपिन बिहारी शशिभूषण आदर्श बालिका माध्यमिक विद्यालय, विश्नोहरपुर, नवाबगंज, गोण्डा
43.चन्द्रभान शरण सिंह मुनेश्वर सिंह इण्टर कालेज, साकीपुर, नवाबगंज, गोण्डा
44.जगमोहन सिह आदर्श बालिका माध्यमिक विद्यालय, करदा, वजीरगंज, गोण्डा
45.डॉ0 जयदेव सिंह आदर्श इण्टर कालेज, बिशुनपुर, बेरिया, गोण्डा
46.मूलराज नारंग डी0ए0बी0 इण्टर कालेज, नवाबगंज, गोण्डा
47.चन्दन सिंह स्मारक इण्टर कालेज, चन्दनपुर, वजीरगंज, गोण्डा
48.अवधराम आदर्श इण्टर कालेज, दुबहा बाजार, गोण्डा
49.गोनार्द सेवा आश्रम, परसापुर, नवाबगंज, गोण्डा
50.लव विद्यापीठ, पटना, खरगौरा, भिन्गा, श्रावस्ती
51.माँ सरयू इण्टर कालेज, धुरखी, बहराइच
52.माता पार्वती इण्टर कालेज, चन्दापुर, गोण्डा
53.राम नारायण सिंह कलावती इण्टर कालेज, लक्ष्मणपुर, चन्दापुर, गोण्डा